web-www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

दैनिक
उत्तरांचल दीप
हर बार असरदार

देहरादून
सोमवार , 28 दिसंबर 2015
वर्ष-1, अंक -255 पृष्ठ-12 मूल्य- 2 रुपये

सुविचार

असंतोष अपने ऊपर अविश्वास का फल है। यह कमजोर इच्छा का रूप भी है

- एमर्सन

कवायद: 570 सोलर लाइटें, 18 कम्प्यूटर व दर्जनभर मोबाइल चार्जिंग स्टेशन लगेंगे

भारत-चीन बार्डर के 40 गांव होंगे जगमग

खुशखबरी

- सालों से अंधेरे में रहते है हजारों लोग
- आईटीबीपी पहुंचाएगी बिजली के संयंत्र
- सड़क से दो से तीन दिन लग जाते हैं गांव तक पहुंचने में
- चीन सीमा होने के बावजूद सरकार गांवों की लंबे समये से कर रही अनदेखी
- दर्जनों सीमावर्ती गांव हैं बुनियादी सुविधाओं से महरूम

@ हल्द्वानी
नवनीत सिंह

भारत-चीन बार्डर के 40 गांवों में रोशनी पहुंचाने की कवायद शुरू कर दी गई है। इसके तहत आईटीबीपी के सहयोग से दूरस्त गांवों में बिजली पहुंचाने का काम किया जा रहा है। उत्तराखंड में 15 साल से सामाजिक क्षेत्र में काम कर रही स्केल संस्था बिजली उपकरण उपलब्ध करा रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड का नेपाल व चीन से पुराना नाता है। चूंकि दोनों देशों की सीमा यहां से मिलती है। ऐसे में दोनों देशों के साथ ही प्रदेश सरकार का भी दायित्व बन जाता है कि उन सीमाओं के आसपास रहने वाले लोगों को राहत बुनियादी सुविधायें मुहैया कराई जाएं लेकिन सालों से सीमा क्षेत्र उपेक्षा का दंश झेल रहे हैं। बताया गया कि पिथौरागढ़ जिले के सीमांत क्षेत्र तथा चीन बार्डर से लगे दर्जनों गांव ऐसे हैं जो बुनियादी सुविधाओं के बगैर ही जीवन बसर कर रहे हैं। जानकारी लेने पर बताया गया कि वहां लोग अंधेरे के बीच काफी कठिनाइयों से जीवन काट रहे हैं। ऐसे में अब प्रदेश में सालों से सामाजिक क्षेत्रों में काम कर रही स्केल संस्था ने सीमा के 40 गांवों को बिजली से जगमग किया जाएगा। इसके लिए कुमाऊं के प्रवेश द्वार से इसका शुभारंभ किया गया। सीमा की निगरानी में तैनात भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस को गांवों में बिजली संयंत्र पहुंचाने में सहयोग लिया जा रहा है। इन गांवों में 570 सोलर लालटैन, दर्जनों मोबाइल चार्जिंग स्टेशन व कंप्यूटर वितरित किए जा रहे हैं। आईटीबीपी के तकनीशियनों ने बकायदा इन लाइटों को दुरुस्त करने का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है।

■ हल्द्वानी में बिजली यंत्र के साथ डीआईजी व आईटीबीपी के अफसर।

डीआईजी सैलाल ने की सराहना

हल्द्वानी। आईटीबीपी व स्केल संस्था के सहयोग से दूरस्थ गांवों के लिए किए जा रहे कार्यों की डीआईजी पुष्कर सिंह सैलाल ने सराहना की। उन्होंने बताया कि गांवों में बिजली आदि की सुविधा से ग्रामीणों की तमाम परेशानियां दूर होंगी। इस मौके पर आईटीबीपी लोहाघाट के कमांडेंट आनंद सिंह, स्केल के सेकेट्री जनरल अरुण सिन्हा भी मौजूद थे।

सरकार से नहीं लेते फंड

हल्द्वानी। बार्डर वाले गांवों के विकास के लिए प्रयास करने वाले स्केल संस्था के सेकेट्री जनरल सिन्हा ने बताया कि वे 15 सालों से उत्तराखंड में काम कर रहे हैं। अब तक जो भी कार्य किए इसके लिए सरकार से कोई फंड नहीं लिया गया है।